महत्वपूर्ण एवं खास

शिक्षा के अधिकार के लिए आवेदन भरने के कार्य में गति लाएं-कलेक्टर

नोडल अधिकारियों एवं बीईओ की समीक्षा बैठक आयोजित

रायगढ़। कलेक्टर श्रीमती शम्मी आबिदी ने शिक्षा के अधिकार के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए नोडल

अधिकारियों एवं बीईओ की बैठक ली।

कलेक्टर श्रीमती आबिदी ने कहा कि शासन की मंशानुसार शिक्षा के अधिकार के तहत लक्ष्य के अनुरूप स्थानों (सीट) की पूर्ति के लिए आवेदन भराये जा सके, इसके लिए सभी अधिकारी परिश्रम करें। उन्होंने शिक्षा के अधिकार के तहत गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के ऑनलाईन आवेदन भरवाने के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने तीन दिवस के भीतर ऑनलाईन आवेदन भरवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की मदद ले। इसके लिए शिविर का आयोजन भी कर सकते है। ऑनलाईन आवेदन फार्म भरते समय आने वाली परेशानी एवं विद्यार्थी की बसाहट में कोई दिक्कत हो तो शीघ्र ही उसका निराकरण करें।

कलेक्टर श्रीमती आबिदी ने कहा कि जिस भी ग्राम पंचायत के शत-प्रतिशत बच्चों का दाखिला स्कूल में होगा उन्हें पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत शाला त्यागी बालिकाओं को शिक्षा की मुख्य धारा से जोडऩे के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। स्कूल जाने के इच्छुक बालिकाओं को पहले से ही चिन्हांकित करना होगा और उन्हें अगले वर्ष ओपन स्कूल के माध्यम से परीक्षा के लिए आवेदन कराना होगा। उन्होंने नोडल अधिकारियों से कहा कि ऐसे बच्चों की सूची बनाएं जिनका 70 प्रतिशत से अधिक हो ताकि उन्हें आईआईटी एवं पीएमटी की कोचिंग दी जा सके। खनिज प्रभावित क्षेत्रों में खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) का उपयोग सुनिश्चित करते हुए बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना होगा। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए शालाओं में बालिका मंच कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर.पी.आदित्य, सीएम फैलो श्री आयुष, राजीव गांधी शिक्षा मिशन के जिला समन्वयक श्री रमेश देवांगन सहित समस्त नोडल अधिकारी एवं बीईओ उपस्थित थे।

एनटीपीसी विकास का स्वयंभू परिचय

जिंदल के बनाये पुल पर सौजन्य एनटीपीसी का

आंदोलन के 73वें दिन और क्रमिक भूख हड़ताल के 16वें दिन बना चर्चा का विषय

बिजली उद्योगों के लिए सबसे ज्यादा भू अधिग्रहण हुआ और इसका प्रत्यक्ष उद्धाहरण 2012 में भूअधिग्रहण कर अपने संयंत्र की स्थापना करने वाली एनटीपीसी लारा

परियोजना क्षेत्र के भू-विस्थापितों व परियोजना प्रभावितों के साथ-साथ रायगढ़ वासियों को भी कई तरह के सपने दिखाए थे। जहां 6 वर्ष पश्चात भी पुनर्वास के संशय को लेकर भू-विस्थापितों का आंदोलन जारी है, वही एनटीपीसी के करतूतों का उदाहरण रायगढ़ के शहरवासियों को भी देखने को मिल रहा है। सीएसआर के अंतर्गत क्षेत्र के विकास को लेकर ताल ठोकने वाली एनटीपीसी अपने ही बैनर-पोस्टर से विवादों में घिरी नजर आ रही है। हाल ही में जिंदल पुल पर सौजन्य एनटीपीसी लारा तलाईपाली के पोस्टर दिखाई दे रहे हैं। इससे यह लगता है अकि या तो पूल एनटीपीसी तलाईपाली ने बनाया है अथवा इस पर हाल ही में कोई काम एनटीपीसी द्वारा किया गया है। इसे देखकर क्षेत्र के भू-विस्थापितों ने एनटीपीसी पर सीएसआर के नाम पर अपभ्रंश फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा की एनटीपीसी सीएसआर मद का उपयोग केवल खाना पूर्ति हेतु किया जाता है। अपने नौ गांवों के पानी टंकी का उदाहरण देकर बताया की इन ओवर हैड टंकी का निर्माण 2014 से शुरू किया गया था। परंतु आज 4 साल पश्चात ग्राम वासियों को पानी नहीं मिला नहीं स्वास्थ्य के नाम से एंबुलेंस अथवा अस्पताल का सुविधा मिला और ना ही शिक्षा के नाम पर केंद्रीय विद्यालय जैसी स्कूल की सुविधा मिली। यहां तक की एनटीपीसी के अनुदान से बन रहे मेडिकल कॉलेज केआईटीऔर टिपलआईटी में भी भू-विस्थापितों के लिए कोई आरक्षण या सुविधा नहीं है। रायगढ़ शहर में केलो नदी पर 2008 सन् के आस-पास सीएसआर के तहत प्रसिद्ध जिंदल उद्योगिक समूह के द्वारा नागरिकों के आवागमन के लिए न्य पुल नदी पर निर्माण किया था जिस पर एनटीपीसी-तलाईपाली के सौजन्य वाले पोस्टर को देख कर भू-विस्थापितों ने इसे आड़े हाथ लिया है।

सरकार की विकास यात्रा खोखली-कांग्रेस

कांग्रेस ने विकास खोजो यात्रा में खोली पोल

रायगढ़। राज्य की भाजपा सरकार जिस प्रकार से विकास यात्रा के नाम पर सरकारी शासकीय राशि और मंच का दुरूपयोग कर भाजपा का प्रचार प्रसार करते हुए बिकास का ढिंढोरा पीट रही है,उसकी सच्चाई और पोल खोलने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने विकास खोजो यात्रा प्रारम्भ की है जो विकास यात्रा का पीछा करते हुए चल रही है।

इसी कड़ी में गत 28 मई को डॉ रमन सिंह की बिकास यात्रा के मद्देनजर जिलाकांग्रेस के बैनर तले 29 मई मंगलवार की शाम विकास खोजो यात्रा निकाल कर रमन सरकार के झूठे दावों वादों और आधे अधूरे कार्यो का लोकार्पण करने की पोल कांग्रेसियों ने मोटरसाइकिल रैली एवं नुक्कड़ सभा के माध्यम से विकास की जो पोल खोली कि जनता भी हतप्रभ रह गई।

जिलाकांग्रेस अध्यक्ष जयंत ठेठवार के नेतृत्व में मंगलवार की शाम जिला एन एस यू आई, यूथकांग्रेस एवं सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के कांग्रेसी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नगर के सत्तीगुड़ी चौक से लगभग डेढ़ सौ की संख्या में मोटरसाइकिल रैली निकाल जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चक्रधर नगर में जाकर समापन किया गया। जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जयंत ठेठवार ने नुक्कड़ सभा के माध्यम से बताया कि वादाखिलाफी और विकास के नाम पर जो भ्रष्टाचार का तांडव राज्य सरकार ने मचा रखा है,उससे विकास भी रो पड़ा है। कांग्रेस अध्यक्ष ठेठवार ने कहा कि किसानों के साथ, बिजली एवं धान बोनस के नाम पर की गई वादाखिलाफी को जनता के बीच प्रशतुत किया, वहीं जिले एवं शहर की स?के गड्ढा नुमा होने से सिर्फ विकास यात्रा के मार्ग को यात्रा से 24 घंटे पहले लंगोट पहनाने का कार्य किया गया है।जयंत ने कहा कि विकास के नाम पर भाजपाइयों ने महज अपनी जेबें भरने का काम किया है। सरकार को जनहित के विकास कार्यों से कोई सरोकार नहीं है और वह मात्र सरकारी मशीनरी के माध्यम से अपनी महिमामंडित करने योजना के हितग्राहियों को समय पर लाभ न दिलाकर न सिर्फ अपने लिए भीड़ जुटाने में उपयोग कर रही है बल्कि विकास यात्रा की वाहवाही भी लूट रही है। कांग्रेस अध्यक्ष जयंत ने कहा कि अब सरकार के इस झांसे को जनता भी भली भांति समझ चुकी है और आने वाले समय मे राज्य सरकार को सबक सिखा कर रहेगी।

शुभि शर्मा, आयुष साहू, ईशा पटेल, रौनक दुबे, आदर्श यादव ने सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा मे परचम लहराया

रायगढ़। छ.ग. पंचायत नगरीय निकाय शिक्षक संघ जिला रायगढ़ के जिला महिला प्रभारी श्रीमती भावना शर्मा की सुपुत्री शुभी शर्मा ने सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में 12 वीं (गणित) में 94.6 प्रतिषत लाकर माता-पिता परिजन, समाज सहित रायगढ़ जिले का नाम रोषन की है। वही सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में 10 वीं कक्षा में संघ के जिला उपसंचालक महिला प्रकोष्ठ श्रीमती आषाकिरण साहू का सुपुत्र आयुष साहू ने 95.6 प्रतिषत, श्रीमती डालिम पटेल की सुपुत्री ईशा पटेल ने 95 प्रतिषत, श्रीमती सपना दुबे प्रांतीय महिला प्रभारी के सुपुत्र रौनक दुबे ने 72 प्रतिषत तथा संगीत के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल किया है। श्रीमती सुधा वासुदेव यादव के सुपुत्र आदर्श यादव ने 60 प्रतिषत अंक प्राप्त कर तथा खेल विधा बास्केट में 7 बार नेशनल खेलकर माता-पिता, गुरूजन व रायगढ़ जिले का नाम रोशन किया है।

छ.ग. पंचायत नगरीय निकाय शिक्षक संघ के प्रदेश संगठन सचिव नेतराम साहू, जिलाध्यक्ष गिरीजा शंकर शुक्ला, बिनेष भगत जिला महासचिव, शैलेन्द्र मिश्रा जिला प्रवक्ता व मिडिया प्रभारी, नेहरू निषाद कोषाध्यक्ष, रायगढ़ ब्लाक अध्यक्ष राजकमल पटेल, सचिव सौरभ पटेल सहित शिक्षकों ने सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में उच्चतर अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने पर छात्रों व उनके माता-पिता को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

- आरम्भिक कुषाण शासकों ने भारी संख्या में स्वर्ण मुद्राएं जारी कीं, जिनकी शुद्धता गुप्त काल की स्वर्ण मुद्राओं से उत्कृष्ट है।
- कनिष्क का राजवैद्य आयुर्वेद का विख्यात विद्वान चरक था, जिसने चरकसंहिता की रचना की।
- कनिष्क के राजकवि अश्वघोष ने बौद्धों का रामायण बुद्धचरित की रचना की।
- वसुमित्र, पार्श्व, नागार्जुन, महाचेत और संघरक्षा की कनिष्क के दरबार की विभूति थे।
- भारत का आईन्सटीन नागार्जुन को कहा जाता है। इनकी पुस्तक माध्यमिक सूत्र है।
- कनिष्क की मृत्यु 102 ई. में हो गई। कु षाण वंश का अंतिम शासक वासुदेव था।
- गांधार शैली एवं मथुरा शैली का विकास कनिष्क के शासनकाल में हुआ था।
- रेशम मार्ग पर नियंत्रण रखने वाले शासकों में सबसे प्रसिद्ध कुषाण थे। कुषाण साम्राज्य में मार्गों पर सुरक्षा का प्रबंध था।
- गुप्त साम्राज्य का उदय तीसरी शताब्दी के अंत में प्रयाग के निकट कौशाम्बी में हुआ।
- गुप्त वंश का संस्थापक श्रीगुप्त था।
- श्री गुप्त का उत्तराधिकारी घटोत्कच हुआ।
- गुप्त वंश का प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त प्रथम था। यह 320 ई. में गद्दी पर बैठा। इसने लिच्छवि राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया। इसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की।
- गुप्त संवत (319-320 ई.) की शुरूआत चन्द्रगुप्त प्रथम ने की।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त हुआ, जो 335 ई. में राजगद्दी पर बैठा। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को पराजित किया। इन्हीं विजयों के कारण इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है।
- समुद्रगुप्त का दरबारी कवि हरिकेष था, जिसने इलाहाबाद प्रशस्ति लेख की रचना की।
- समुद्रगुप्त विष्णु का उपासक था।
- समुद्रगुप्त ने अश्वमेधकर्ता की उपाधि धारण की।
- समुद्रगुप्त संगीत प्रेमी था। ऐसा अनुमान उसके सिक्कों पर उसे वीणा वादन करते हुए दिखाया जाने से लगाया गया है।
-समुद्र गुप्त ने विक्रमंक की उपाधि धारण की थी। इसे कविराज भी कहा जाता था।
- समुद्रगुप्त का उत्तराधिकारी चन्द्रगुप्त 2 हुआ, जो 380 ई. में राजगद्दी पर बैठा।
- चन्द्रगुप्त दो के शासनकाल में चीनी बौद्ध यात्री फाहियान भारत आया।
- शकों पर विजय के उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त दो ने चांदी के सिक्के चलाए।
- चन्द्रगुप्त दो का उत्तराधिकारी कुमारगुप्त एक या गोविन्दगुप्त (415 ई.-454 ई.) हुआ।
- नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमारगुप्त ने की थी।
- कुमारगुप्त एक का उत्तराधिकारी स्कन्धगुप्त (455-467 ई.) हुआ।
- स्कन्धगुप्त ने गिरनार पर्वत पर स्थित सुदर्शन झील का पुररूद्धार किया।
- स्कन्धगुप्त ने पर्णदत्त को सौराष्ट्र का गर्वनर किया।
- स्कन्धगुप्त के शासनकाल में ही हूणों का आक्रमण शुरू हो गया।

स्वास्थ्य

शरीर बन जाएगा फौलाद, बस दूध में मिलाएं यह

आपको भी पता होगा कि, फौलाद में सभी तरह के विटामिन पाए जाते हैं, जोकि हमरे लिए काफी फायदेमंद

साबित होते हैं। लेकिन आज हम आपको एक और चीनी के बारे बताने जा रहें हैं, जिसको दूध में घोलकर पिने से शरीर बन जाएगा फौलाद। जी हां अगर आप दूध में ये मिलाकर पिएगे तो आपको इतने ज्यादा फायदे होंगे।

सेवन के लिए आप दूध में 1-2 चम्मच दालचीनी डालकर इसे अच्छी तरह मिलाएं।

जानिए फायदे..

1 अगर किसी व्यक्ति को बालों या स्किन से सम्बंधित कोई समस्या है, तो उसको इसका सेवन करना चाहिए। क्यूंकि इसका एंटीबैक्टेरियल गुण होता है, जो बालों को इन्फेक्शन से बचाते हैं।

2 जिन लोगों को खाना पचाने में दिक्कत होती है, तो उनके लिए दालचीनी को दूध में मिलाकर पीना अधिक फायदेमंद है, साथ ही इसका सेवन हड्डियों को म?बूत करने के लिए भी कर सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक इसके नियमित उपयोग से आप को गठिया की समस्या से छुटकारा प् सकते हैं।

3 अगर रात में आपको नींद आने में दिक्कत होती है, तो सोते समय दूध में सिर्फ एक चम्मच दालचीनी डालकर पीयें, जिसके फौरन बाद आपको अच्छी नींद आएगी।

सिर्फ 24 घण्टे में मस्सों को खत्म कर देंगे केले के छिलके

जिल्द पर मस्सों की समस्या से बहुत सारे लोग परेशान रहते हैं। कुछ लोगों की जिल्द पर गंभीर मस्से होते हैं। तो

कुछ लोगों के हल्के मस्से होते हैं। लोग इन मस्सों को बहुत जल्द निकलवाने की भी कोशिश करते हैं। क्योंकि मस्से चेहरे पर अच्छे नहीं लगते और उसके साथ जिल्द को भी दागदार और भद्दा बना देते हैं। कई लोग तो इन मस्सों से इतना परेशान हो जाते हैं। जिस की वजह से वो इनको जल्द से जल्द मिटाने के लिए अलग अलग तरह के उपचार करवाने लगते हैं। और न जाने कितने लोग तो ऑपरेशन तक करवा लेते हैं।

लेकिन इन सब चीजों के चक्कर में पड़ कर अपने पैसे और जिल्द दोनों को बर्बाद कर देते हैं। आज हम आप को सब से आसान और घरेलू टिप्स बताने जा रहे हैं जिस से आप इन से आसानी से अपने आप से दूर कर सकते हैं।

मस्सों को मिटाने के ये हैं टिप्स-

टिप्स बहुत ही आसान है और वो ये है कि आपको केले का छिलका लेना है, और मस्से को केले के छिलके के साथ अच्छी तरह बांध देना है। और आपको ध्यान ये रखना है कि उसको इस तरह से बांधें कि यह लंबे समय तक टिका रहे।

करीब 24 घंटे तक ऐसे ही मस्से को बंधा रहने दें। कुछ ही दिनों तक ऐसा करने से मस्सा हमेशा के लिए झड़ जाएग, और आपको की जिल्द में भी चमक आ जाये गी। और आप ऐसा भी कर सकते हैं कि हर रो? कॉटन या किसी सूती कपड़े में सिरके को रखें और इसे अपने मस्से पर लगाएं। अगर आपने हफ्तेभर इस टिप्स को अपना लेंगे तो बहुत जल्द ही आप को मस्से की समस्या से छुटकारा मिल जाये गा।

इसी तरह से मस्से पर शहद लगाकर इसे डॉक्टर टेप से कवर कर दें। इस को करीब 10 से 12 घंटे तक ऐसे ही ढ़के रहने दें। और लगभग 15 दिन तक ऐसा ही करें। इस से भी आप मस्सों को मिटा सकते हैं।

जानिये घरेलू उपाय हर्निया की समस्या से निजात पाने के लिए

हर्निया ऐसा रोग है जिस में पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाने से आंत बाहर निकल जाती है, जिससे व्यक्ति को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लोग इसके इलाज के लिए दर्दनाक ट्रीटमेंट करवाते है लेकिन अगर आप चाहें तो इन आसान घरेलू तरीकों से भी अपनी इस समस्या से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं।

अदरक की जड़ या इसे कच्चा खाने से हर्निया की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण हर्निया की समस्या को दूर करते है और पेट के दर्द को को भी खत्म करते है।

एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर कैमोमाइल चाय में शहद मिलाकर दिन में 4 बार सेवन करने से हर्निया की समस्या दूर होती है।

एप्पल साइडर सिरका को गर्म पानी में मिक्स करके दिन में दो बार पीएं। इससे हर्निया की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी।